भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 625**

जिसका उत्तर दिनांक 01.12.2021 को दिया जाना है

**परमाणु ऊर्जा की ओर अग्रसर होना**

625. श्री कोडिकुन्नील सुरेश :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश की ऊर्जा की मांग को पूरा करने के लिए सरकार के पास एक निर्धारित वर्ष के भीतर परमाणु ऊर्जा की ओर अग्रसर होने संबंधी एक विज़न योजना है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार निकट भविष्य में कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र की क्षमता बढाने पर विचार कर रही है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

**उत्तर**

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) से (ग) देश की दीर्घकालीन ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए नाभिकीय विद्युत में अपार संभावनाएं हैं, साथ ही यह स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल है । इस दिशा में एक विशाल नाभिकीय विद्युत विस्तार कार्यक्रम को कार्यान्वित किया जा रहा है । वर्तमान में 6780 मेगावाट की स्थापित नाभिकीय विद्युत क्षमता, निर्माणाधीन और मंजूरी प्राप्त परियोजनाओं की प्रगतिशील पूर्णता पर 22480 मेगावाट तक पहुंचने की संभावना है । यह भारत द्वारा वर्ष 2015 में पेरिस क्लाइमेट कॉन्फ्रेंस में घोषित भारत के इंटेंडेड नेशनली डिटरमाइन्ड कंट्रीब्यूशन्स (आईएनडीसी) और हाल ही में एक नेट जीरो अर्थव्यवस्था की प्रतिबद्धता के भी अनुकूल है जिसमें नाभिकीय विद्युत सहित स्वच्छ ऊर्जा के स्रोतों की ओर परिवर्तित होना शामिल है । अत: इससे नाभिकीय ऊर्जा उत्पादन पर अधिक जोर दिया जाएगा ।

(घ) जी, हां ।

(ङ) कुडनकुलम साइट पर यूनिट 1 व 2 – केकेएनपीपी-1 व 2 (2X1000 MW) के प्रचालन के साथ प्रचालन में वर्तमान क्षमता 2000 मेगावाट है । यह केकेएनपीपी-3 व 4 (2 X 1000 MW) और केकेएनपीपी-5 व 6 (2 X 1000 MW) के पूरा होने पर 6000 MWतक प्रगतिशील रूप से बढ़ेगी । यह दोनों वर्तमान में निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं ।

* * * * *